

सर्वोच्च न्यायालय इलाहाबाद उच्च न्यायालय के बिबादित आदेस पर रोक लगावत कहले हौ कि ई फैसिला असंवेदनशीलता क परिचायक हौ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय क बिबादित आदेस में कहल गइल हौ कि अनुचित स्पर्स चाहे कपड़ा से छेड़छाड़ दुस्कर्म क कोसिस नाहीं हौ अउर अभियोजन पक्ष के दुस्कर्म क आरोप सिद्ध करे बदे उन्हें अउरियो जरूरी सबूत पेस करे के चाहत रहे। एगो रिपोर्ट—

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 17 मार्च के निर्णय के खिलाफ श्वी द वूमेन ऑफ इंडिया नामक संगठन ने सर्वोच्च न्यायालय में इस मामले को उठाया था। जिस पर शीर्ष न्यायालय ने संज्ञान लिया। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि इससे इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा में संवेदनशीलता की कमी लगती है। शीर्ष न्यायालय ने इस मामले में केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार से जवाब मांगा है। इसके अलावा सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि की सहायता भी मांगी गई है। 17 मार्च को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की पीठ ने उत्तर प्रदेश के कासगंज में आरोपी की आपराधिक पुनरीक्षण याचिका को स्वीकार करते हुए विवादित निर्णय दिया था। उच्च न्यायालय ने कहा कि आरोपी पवन और आकाश के खिलाफ लगाए गए आरोप और मामले के तथ्य इसे दुष्कर्म के प्रयास का अपराध नहीं बनाते। समाचार कक्ष से मैं कनक लता।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सेवा, सुरक्षा अउर सुसासन क नीति के आठ सालि पूरा भइले पर आजु आगरा में आयोजित जनपदीय विकास उत्सव में हिस्सा लिहलें। येह मौका पर उहां के छौ सौ पैंतीस करोड़ रुपिया क एक सौ अट्ठाइस परियोजना क लोकार्पण अउर सिलान्यास कइलीं। सरकार क पछिला आठ सालि के उपलब्धियन क चरचा करत मुख्यमंत्री कहलें कि उनकर सरकार अबहिन ले साढ़े आठ लाख से बेसी नौजवानन के सरकारी नोकरी दिहले हौ।

हमने अब तक साढ़े आठ लाख से अधिक नौजवानों को नौकरी दी है, सरकारी नौकरी। अभी हाल ही में आपने देखा होगा साठ हजार से अधिक पुलिस भर्ती की प्रक्रिया सम्पन्न हुई है। साठ हजार में से बारह हजार केवल बेटी बेटी ही सैलेक्ट हुई है। बहनों एवं भाईयों, यह कभी नहीं हुआ था। इतने बड़े पैमाने पर नौकरी।

येह मौका पर मुख्यमंत्री के सरकार के आठ बरिस में सरकार क कामकाज पर “एक झलक” रिपोर्ट कार्ड नांव क डाक्यूमेंट्री देखावल गइल। मुख्यमंत्री कई गो योजना के लाभार्थियन के सम्मानितो कइलें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आजु भिन्नहीं गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में जनता दरसन कार्यक्रम में करीब दुइ सौ लोगिन क समेस्या सुनलें। येह दौरान उहां के मौका पर मौजूद अधिकारियन के निरदेसित करत कहलीं कि हर पीड़ित के समस्या क समाधान समय से अउर पारदर्सी तरीका से सुनिश्चित कइल जाए। मुख्यमंत्री कहलें कि सरकार हर मनई के जिनगी में खुसहाली लेआवे बदे संकलपित हौ।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल आजु बलरामपुर जिला क दौरा कइलिन। उहां के प्रदेस सरकार क “सेवा सुरक्षा आ सुशासन की नीति” क आठ बरिस पूरा भइले के येह मौका पर आयोजित कार्यक्रम के सम्बोधित कइलिन। राज्यपाल कई गो विभागन के परदरसनी क स्टालो देखलिन। उहां के आंगनबाड़ी संसाधन किट, जमीनि क पट्टा अउर मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान क लाभार्थियन के चेक बंटलिन। येह मौका पर सूक्ष्म, लघु अउर मध्यम उद्यम अउर खादी ग्रामोद्योग विभाग क कैबिनेट मंत्री राकेश सचानो मौजूद रहलें।

प्रदेस में योगी आदित्यनाथ क अगुआई वाली प्रदेस सरकार क आठ बरिस पूरा भइले के उपलक्ष्य में गोरखपुर क प्रभारी मंत्री स्वतंत्र देव सिंह आजु एगो पत्रकार वार्ता के सम्बोधित कइलें। येह दौरान सरकार क उपलक्ष्य गिनावत उहां के बतवलीं कि योगी सरकार में छप्पन लाख लोगिन के मकानि बनल हौ अउर पनरह करोड़ लोगिन के रासन मिलल। उहां के कहलीं कि सरकार करीब दुइ दसमलव तीनि करोड़ घरन में नल से जल पहुंचवलसि। पात्र लोगिन क आयुष्मान कार्ड बनावल गइल अउर करीब छियालीस लाख लोगिन के निःसुल्क गैस कनेक्सन दीहल गइल।

आवे वाला बीस बरिस ले हर रामनौमी के दिन्ने देस-दुनिया क लोगि श्रीरामलला क मस्ताभिषेक देखि सकिहें। येह दौरान श्रीरामलला क सूर्य तिलक होई। ई जनकारी श्रीराम मंदिर निर्माण समिति क अध्यक्ष नृपेन्द्र मिश्र आजु मंदिर निर्माण से जुड़ल दुइ दिन क बइठकी के बाद दिहलें। उहां के बतवलीं कि रुड़की क सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट क वैज्ञानिक अइसन व्यवस्था बनवले में लागल हवें, जेहसे हर रामनौमी के दुपहरिया बारह बजे सूर्य क किरण श्रीरामलला क माथा के सुसोभित कइ सकें।

भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा देस भर में सौगाततततत-ए-मोदी अभियान क सुरुआति कइले हौ। एकर उद्देश्य देस भर में बत्तीस लाख गरीब मुस्लिम परिवारन के ईद के मौका पर खास किट बांटल हौ। ई जनकारी आजु आकाशवाणी समाचार से बतियावत भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा क राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी दिहले हवें।
